निपुण भारत क्या है ?

प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और ज्ञान प्राप्त करना। कक्षा 3 तक सभी बच्चों में पढ़ने लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की आपेक्षिक योग्यता प्राप्त करना।

निपुण भारत का फुल फॉर्म?

"राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन"

NIPUN : "National Initiative for Profieciency in Reading with Understanding and Numernacy"

निपुण भारत मिशन का विजन व उद्देश्य:

I. वर्ष 2026 27 तक प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी बच्चे कक्षा तीन तक पढ़ने लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की योग्यता प्राप्त कर ले।

II. 3 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों की अधिगम आवश्यकता अधिगम अंतराल और इनके संभावित कारणों की पहचान करना और स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कार्य नीतियों की पहल करना।

III. प्रीस्कूल एवं कक्षा 1 के बीच संबंध स्थापित करने और सुचारू कक्षा अंतरण के उद्देश्य से एनसीईआरटी द्वारा तैयार किए गए ईसीसीई पाठ चल रहा फ्रेमवर्क को आंगनवाड़ी और प्री प्राइमरी स्कूल दोनों द्वारा अपनाया जाना ताकि कक्षा 1 में सुचारू कक्षा अंतरण सुनिश्चित किया जा सके।

लक्ष्य:

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत वर्ष 2026 27 तक बाल वाटिका से कक्षा 3 के शत-प्रतिशत बच्चों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का लक्ष्य प्राप्त करना।

मिशन के घटक

I. लक्ष्य और सूची :मिशन के अधिगम ध्येय

मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संपूर्ण साक्षरता संख्या ज्ञान के लक्ष्य बाल वाटिका से कक्षा तीन तक के लिए निर्धारित किए गए हैं जो निम्न वत है

भाषा

बालवाटिका – अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचान लेते हैं

-कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ लेते हैं

कक्षा-1 – अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं

-ऐसे छोटे वाक्य जो आयु के अनुसार किसी अज्ञात पाठ का भाग हो जिसमें 4-5 सरल शब्दों को पढ़ लेते हैं

कक्षा-2 – अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं

– 45 -60शब्द प्रति मिनट प्रवाह के साथ पढ़ लेते हैं

कक्षा-3 – अर्थ के साथ पढ़ लेते हैं

– न्यूनतम 60 शब्द प्रति मिनट के प्रभाव से पढ़ लेते हैं

गणित

बाल वाटिका- 10 तक के अंको को पहचान और पढ़ लेते हैं

– एक क्रम में घटनाओं की संख्या ,वस्तुओं ,आकृतियों ,घटनाओं को व्यवस्थित कर लेते हैं

कक्षा-1 – 99 तक की संख्या पढ़ व लिख लेते हैं

– सरल जोड़ और घटाव कर लेते हैं

कक्षा-2 – 999 तक की संख्याये पढ़ और लिख लेते हैं

-99 तक की संख्याओं का घटाव कर लेते हैं

कक्षा-3 – 9999 तक की संख्याये पढ़ और लिख लेते हैं

– सरल गुणा समस्याओं को हल कर लेते हैं

II. बाल वाटिका

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के समन्वय से समग्र शिक्षा द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि 5 वर्ष की आयु से पूर्व प्रत्येक बच्चा एक प्रीपरेटरी कक्षा या बाल वाटिका में जा सकेगा।

इन प्रीपरेटरी कक्षाओं में अधिगम मुख्य रूप से खेल आधारित शिक्षा पर फोकस किया जाएगा जिसमें संख्यात्मक भावनात्मक और मनो प्रेरक क्षमताओं के विकास तथा प्रारंभिक साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा बाल वाटिका /प्री प्राइमरी शिक्षा के संबंध में विस्तृत निर्देश प्रथक से जारी किए जाएंगे।

III. स्कूल तैयारी माड्यूल

एनसीईआरटी द्वारा विकसित कक्षा 1 के विद्यार्थियों के लिए 3 माह के खेल आधारित स्कूल तैयारी माड्यूल विद्या प्रयोग एवं राज्य की स्थानीय आवश्यकताओं के दृष्टिगत एससीईआरटी द्वारा स्कूल तैयारी मॉडल का विकास किया गया है या माड्यूल गतिविधि एवं खेल के माध्यम से अधिगम लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य तैयार किया गया है स्कूल तैयारी मॉडल पर प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को एससीईआरटी उत्तर प्रदेश द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

IV. संवर्धित कक्षा -कक्ष

विद्यालय में कक्षा कक्ष का वर्तमान सुधारने एवं आकर्षक बनाने के लिए TLM ,वर्क बुक प्रिंटेट सामग्री आदि शिक्षकों एवं बच्चों को उपलब्ध कराई जाएगी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में खेल ,खोज और गतिविधि आधारित शिक्षण को सम्मिलित करके एक समावेशी कक्षा का वातावरण सृजित किया जाएगा

V. शिक्षक प्रशिक्षण

फाउंडेशन lateracy एवं numeracy तथा विभाग द्वारा विकसित विभिन्न माड्यूल एवं शैक्षणिक सामग्री के साथ ही निष्ठा के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा निर्गत निर्देशानुसार शिक्षक प्रशिक्षण प्रक्रिया को नियमित एवं आद्यावधिक किए जाने के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा प्रशिक्षण कोर्स का वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाएगा

VI. दीक्षा एवं आईटी प्रणाली का प्रयोग

एससीईआरटी द्वारा कक्षा 1 से 3 तक की कंटेंट की निपुण भारत के लक्ष्यों के सापेक्ष मैपिंग की जाएगी तथा आवश्यकतानुसार कंटेंट में संशोधन व संवर्धन सुनिश्चित किया जाएगा

National Digital Education Architecture (NDEAR) को बढ़ावा दिया जायेगा

VII. अधिगम आकलन

आकलन के परिणामों के आधार पर बच्चों को प्रगति कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा जिसमें बच्चों की समग्र प्रगति का विवरण अंकित होगा आयोजित की गई परीक्षा का रिपोर्ट कार्ड प्रत्येक छात्र छात्रा के अभिभावक को प्रेषित किया जाएगा एवं प्रत्येक विद्यालय की ग्रेडिंग कराते हुए विद्यालय रिपोर्ट कार्ड खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रधानाध्यापकों को प्रेषित किया जाएगा जिससे कि शैक्षिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार किया जा सके।

VIII. पुस्तकालय का उपयोग

बच्चों में पढ़ने की प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों में लाइब्रेरी विद रीडिंग कार्नर स्थापित किया जाएगा

IX. सामुदायिक सहभागिता

निपुण भारत की क्रियान्वयन हेतु मिशन के उद्देश्यों से समुदाय अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति को अवगत कराया जाए

X. वित्तीय प्रावधान

निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का क्रियान्वयन भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के अंतर्गत वार्षिक कार्य योजना एवं बजट में प्राप्त स्वीकृत के क्रम में समग्र शिक्षा द्वारा वहन किया जाएगा

XI. क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण

मिशन के प्रभावी अनुश्रवण राज्य,जनपद में विकास खण्ड स्तर पर टास्क फोर्स गठित किया जाता

XII. टास्क फोर्स के कार्य

निपुण भारत के अंतर्गत निर्णय लक्ष्यों की संप्राप्ति नियम नियमानुसार कार्य निर्धारित किए जाते हैं

A. राज्य स्तरीय टास्क फोर्स की छमाही, जनपद एवं विकास खंड स्तरीय टटास्कफोर्स की मासिक बैठक आहूत करते हुए टास्क फोर्स द्वारा लिए गए निर्णय का अनुपालन सुनिश्चित कराना।

B. निपुण भारत की प्रगति और वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्त की समीक्षा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य योजना का अनुपालन।

C. निपट भारत मिशन के अंतर्गत निर्धारित घटकों का समयबद्ध क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण।

D. मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति में आ रही बाधाओं की पहचान तथा निराकरण सुनिश्चित कराना।

E. प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन और प्राथमिक शिक्षकों का क्षमता समृद्ध संवर्धन कराना इसके लिए समस्त आवश्यक संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित कराना।

दिनाँक 22/07/2022

मनोज कुमार शर्मा (ARP)

खैर, अलीगढ़। मोबाइल:- 94 1084 2828.